

फर्द अहकाम

(नियम-26)

अज अदालत सहायक कलक्टर, मुकाम जायल (नागौर)

अबुलकालम ५० इकुमारात फासुल गीलागुबनाम अजमोदोदेवी-५ श्रीफारम साद केरारह

जोति जाद सा. रेकठिपा

किस्म मुकदमा ... दोपहर ... का.३

मुकदमा नम्बर

57/१०११

तारिख हुवन	हुक्म या कार्यवाही इनिशिलस जज	नम्बर व तारिख अहकाम जो इस हुक्म की तामील में जारी हुयें।
10 ² /11	<p>वकील वादी के द्वारा यह वाद विरुद्ध प्रतिवादीगण के पेश किया गया जो दर्ज रजिस्टर किया जावेन प्रतिवादीगण को जरिये सम्मन तलब किया जावे। मिशाल दिनाक 25/१/11 को पेश हो।</p> <p style="text-align: center;">अकार/पत्रकारान क शाघवत्ता</p> <p>25/11 सीटिंग ... प्रमथ ... प्रकरण ... 28/१/11 को ...</p>	
28 ² /11	<p>वकील वादी उपर प्रतिवादीगण के सम्मन तामील आदत तामील गती आते। उक्त प्रक करने हेतु रिफारम सिगरेट मि.दिनांक 28.4.11 को प्रक ले।</p>	
28 ⁴ /11	<p>वकील वादी उपर सम्मन प्रक गती प्रक करने हेतु रिफारम की गयी है 20.7.11 को प्रक ले।</p>	
20/11	<p>अकार/पत्रकारान क शाघवत्ता</p> <p>गैठामीन घचिवाये की मिदिय में/अमथ ... प्रकरण ... 20.4.11 को ...</p>	

तारीख
हुक्म

हुक्म या कार्यवाही इनिशिलस जज

14/6/22

अज्ञार/पञ्जकाराम के अधिपत्या

कोडासोन प्रमाणित/प्रिटिंग प्रमाण
सुलकाश पर नए है, इसलिए प्रमाणित
समय के समक विनांक 21/11/22 को
प्रमाणित है

5/11/22

वकील वादी ने दर पेश कर निवेदन
किया कि प्रतिवादी अंग्योद्यादेमी का
स्वर्गवास हो गया है, जिसका एक मात्र
वारिस वादी है। प्रतिवादी स. के फौद
हो जाने से दावा सारहीन हो गया है।
वादी प्रकण को चलाना नहीं चाहता है।
अतः जलिये विहील स्वारिज किया जावे।

अतः वाह वादी का जलिये विहील
स्वारिज किया जाता है। मिलल निर्णय नखर
से कम होकर बाह आप्त कार्यवाही दारिज
दफ्तर रहे।

ASV
सहायक क्लर्क
(एस.बी.जी.) जयल